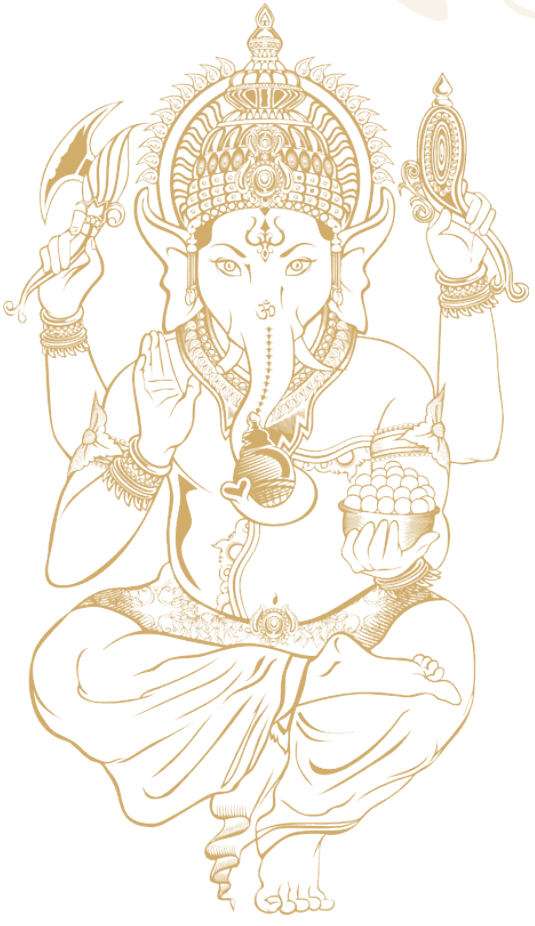

Mr. Mayur

Ms.Charu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119564003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/06/2000	जन्म तिथि	12/03/1999
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 15:04:00	जन्म समय	23:03:00 घंटे
घटी 23:07:56	जन्म समय(घटी)	40:56:43 घटी
India	देश	India
Aurangabad	स्थान	Jodhpur
19:52:00 उत्तर	अक्षांश	26:18:00 उत्तर
75:22:00 पूर्व	रेखांश	73:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:28:32	स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:48:49	सूर्योदय	06:50:56
19:06:08	सूर्यास्त	18:44:12
23:51:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:34

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 6वर्ष 7मा 27दि		29:31:45	कन्या	लग्न	तुला	25:51:22	शुक्र 3वर्ष 2मा 28दि	
शुक्र		23:04:45	वृष	सूर्य	कुंभ	27:50:49	राहु	
03/02/2007		00:38:58	सिंह	चंद्र	धनु	24:30:16	09/06/2025	
03/02/2027		29:59:27	वृष	मंगल	तुला	18:09:18	09/06/2043	
शुक्र	05/06/2010	16:56:26	मिथु	बुध व	मीन	09:48:42	राहु	20/02/2028
सूर्य	05/06/2011	01:06:38	वृष	गुरु	मीन	12:31:34	गुरु	16/07/2030
चन्द्र	03/02/2013	21:58:45	वृष	शुक्र	मीन	29:15:38	शनि	22/05/2033
मंगल	05/04/2014	00:04:19	वृष	शनि	मेष	07:21:28	बुध	09/12/2035
राहु	05/04/2017	01:21:00	कर्क	राहु	कर्क	27:58:39	केतु	27/12/2036
गुरु	05/12/2019	01:21:00	मक	केतु	मक	27:58:39	शुक्र	27/12/2039
शनि	03/02/2023	26:53:49	मक व	हर्ष	मक	21:03:26	सूर्य	20/11/2040
बुध	04/12/2025	12:28:52	मक व	नेप	मक	09:43:03	चन्द्र	22/05/2042
केतु	03/02/2027	17:31:45	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	16:39:13	मंगल	09/06/2043

लग्न-चलित

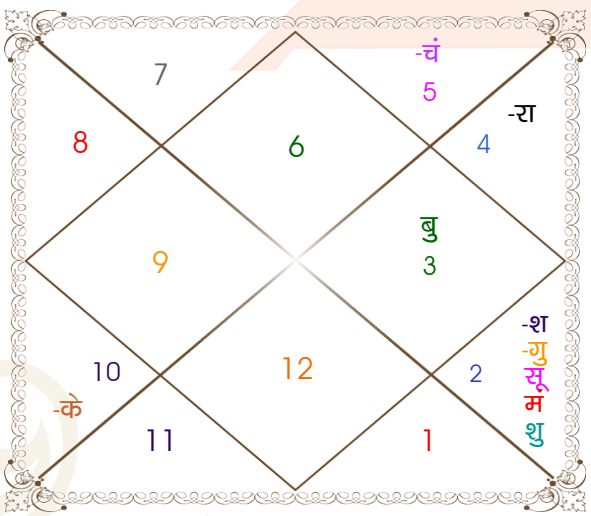

लग्न-चलित

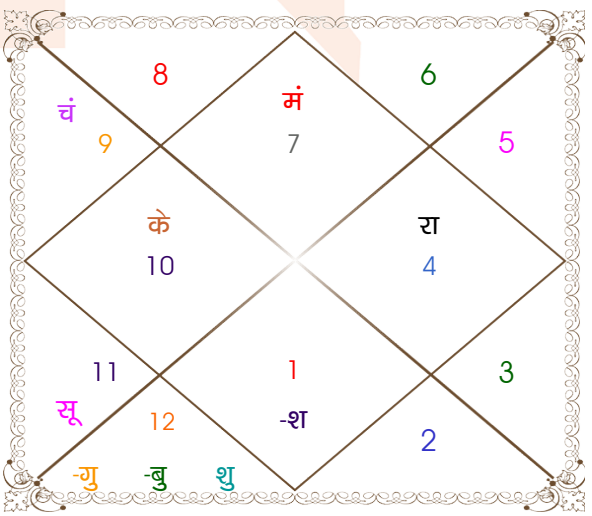

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण डंलनत का वर्ग मूषक है तथा डेण्बींतन का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण डंलनत और डेण्बींतन का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण डंलनत मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

डेण्बींतन मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतण डंलनत कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण डंलनत तथा डेण्बींतन में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।